B.A. Part II / Paper IV / Lecture no – 9.

Dr. Sunita Kumari
Assistant Professor
Marwari college Darbhanga.

वैज्ञानिक पद्धति (SCIENTIFIC METHOD)

वैज्ञानिक पद्धति को समझने से पहले हम विज्ञान को समझें तो ज्यादा बेहतर होगा। इस संबंध में हम यह कह सकते हैं कि वैज्ञानिक पद्धति द्वारा क्रमबद्ध रूप से ज्ञान का संग्रह ही विज्ञान है।

जहाँ तक वैज्ञानिक पद्धति का सवाल है तो scientific method आध्यात्मिक या तार्किक चिन्तन पर आधारित न होकर अनुभव, निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग तथा वर्गीकरण की एक व्यवस्थित कार्य प्रणाली पर आधारित होती है।

G. A. Lundberg ने परिभाषा देते हुए कहा है " विस्तृत अर्थों में वैज्ञानिक पद्धति तथ्यों का व्यवस्थित अवलोकन, वर्गीकरण व विवेचन है।" ("Broadly speaking, scientific method consists of systematic ~~by~~ observation, classification and interpretation of data")

उपर्युक्त परिभाषा से स्पष्ट होता है कि scientific method में

तथ्यों को तीन प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। अवलोकन, तथ्यों का विभाजन एवं श्रेणीबद्ध और तथ्यों की व्याख्या।

साधारणतः हम कह सकते हैं कि वैज्ञानिक पद्धति एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसके अन्तर्गत तथ्यों का संकलन करके इनका निरीक्षण, सत्यापन, वर्गीकरण एवं विश्लेषण किया जाता है। यह वह विधि है जो हमें सत्य के पास ले जाता है।

(CHARACTERISTICS OF SCIENTIFIC METHOD)

वैज्ञानिक पद्धति की अपनी विशेषताएं हैं जिन का वर्णन हम इस प्रकार कर सकते हैं —

1. वस्तुनिष्ठता (objectivity) — इसका तात्पर्य यह है कि इस पद्धति में वस्तु या घटना जैसा रूप में है उसी रूप में उसे पेश करना है। इस विधि में अध्ययनकर्ता के स्वयं के विचारों, इच्छाओं, मूल्यों आदि का कोई स्थान ही नहीं है।

सामाजिक विज्ञान में जब मनुष्यों द्वारा मनुष्यों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है तब काफी कठिनाई होती है क्योंकि व्यक्ति के विचार व मूल्य बाधा उत्पन्न करते हैं। लेकिन वैज्ञानिक निष्कर्षों की विश्वसनीयता के लिए यह एक आवश्यक तत्व है।

2. सत्यापनशीलता (verifiability) - वैज्ञानिक पद्धति में यदि किसी समाज वैज्ञानिक को निकाले गए निष्कर्षों पर संदेह हो जाता है तो वह इस पद्धति का प्रयोग करके उन निष्कर्षों की पुनः परीक्षा कर सकता है।

3. निश्चितता (Definiteness) — इस पद्धति का प्रयोग करके कोई भी वैज्ञानिक अपनी आवश्यकतानुसार किसी भी निष्कर्ष की सत्यता की खोज कर सकता है। इस पद्धति में अस्पष्टता तथा अनिश्चितता का कोई स्थान नहीं है।

4. कारण व प्रभावों का संबंध (Cause and Effect Relationship) - प्रत्येक घटना के पीछे कोई न कोई कारण अवश्य होता है। कारण तत्व की प्रक्रिया ढूंढना तथा कारण-प्रभाव से सम्बन्ध स्थापित करना वैज्ञानिक पद्धति की विशेषता है।

5. भविष्यवाणी की क्षमता (Predictability) - इस पद्धति के द्वारा हम किसी घटना के कारण-प्रभाव सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। साथ ही घटनाओं की गतिविधि के संबंध में भविष्यवाणी कर सकते हैं। Ex- वर्तमान में होने वाले परिवर्तनों को ध्यान में रख कर

Scanned by CamScanner

एक समाजशास्त्री अतीत के सामाजिक व्यवस्था, जाति व्यवस्था आदि के बारे में बता सकता है।

6. आनुभाविकता (Empirical) – यह वैज्ञानिक पद्धति की प्रमुख विशेषता में से एक है। इस पद्धति में वह तथ्य ही स्वीकृत किए जाते हैं जो अनुभव एवं अवलोकन के आधार पर पुनर्परीक्षित किए जा सकते हैं।

7. नैतिक तटस्थता (Ethical Neutrality) – वैज्ञानिक पद्धति में क्या है? उसका अध्ययन किया जाता है। क्या होना चाहिए? का नहीं। इसमें मूल्य निर्णय या नैतिक आधारों का महत्व नहीं होता है।

उपर्युक्त विशेषताओं के कारण ही वैज्ञानिक पद्धति सत्य की खोज का विश्वसनीय पद्धति का माध्यम माना जाता है।

Sunita Kumari
18/4/20.